



केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

(संसद के अधिनियम / द्वारा स्थापित 2009 वर्ष ,Established under the Act of Parliament in 2009)  
TEJASWINI HILLS, PERIYA P.O., KASARAGOD - 671316, KERALA

HEAD  
DEPARTMENT OF HINDI & COMPARATIVE LITERATURE

CUR/HEAD/HINDI/2594/2021

Board of studies meeting Dept. of Hindi & Comparative Literature held on 21<sup>st</sup> April 2021

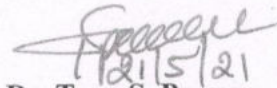
Venue : HoD Chamber/online

Agenda : Restructure of syllabus of M.A Hindi, Ph.D Course work, PG Diploma course in Hindi Translation and Office Procedure, PG Diploma in Hindi Journalism and Media Writing and Hindi Communicative Bridge Course.

Chair : Dr. Taru S.Pawar, Head of the Department

**Board of studies Members**

Sl No	Name of the Members	Designation	Signature
01	Dr. Taru S. Pawar	Chairperson	Online
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Member	Online
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Member	Online
04	Dr. Shalini M	Member	Online
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Member	Online
06	Prof. R. Jayachandran	Member	Absent
07	Prof. Shanti Nair	Member	Online
08	Dr. Suma T. Rodanwar	Member	Online

  
21/5/21

Dr. Taru S. Pawar

Chairperson

विभागाध्यक्ष / Head of the Dept.  
हिन्दी विभाग / Dept. of Hindi  
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Kerala  
कासरगोड / Kasaragod



## LMC 4202 - जनसंचार माध्यम और सम्प्रेषण

Course Code	LMC 4202	Semester	II(Second)
Name of Course	जनसंचार माध्यम और सम्प्रेषण (Jansanchar Madhyam Aur Sampreshan)		
Speciality	कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Skill Development and Employability Course)		
Credit / क्रेडिट-04	Contact Hours: L-03, T-01=04	Type	Core

### प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

सूचना-क्रांति के दौर में जनसंपर्क माध्यम एक सम्प्रेषण-विज्ञान का कार्य करती है। सूचनाओं और समाचारों का संकलन कर प्रकाशित और प्रसारित करने की प्रक्रिया में एक बहुत बड़े पैमाने में मध्य उपकरण यंत्र कार्य करती है जिसकी जानकारी एक जनसंचार कर्मी को होना अत्यंत आवश्यक है। मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क में रिपोर्टर और संवादाता के रूप में देख पाते हैं।

### प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- संचार माध्यमों और सम्प्रेषण की सामान्य जानकारी हासिल कराते हुए रेडियो, टेलीविज़न और समाचार पत्र के लिए सामग्री संकलन सम्प्रेषण पद्धतियों और उसके नियमावली की जानकारी हासिल की जाएगी।
- बदलते परिप्रेक्ष्य में माध्यमों के प्रकाशित घटनाओं का सन्दर्भ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित यथावत् तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।
- यह प्रश्नपत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक प्रारंभिक जानकारी – स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् देता है - जो नेट परीक्षा, राज्यस्तरीय परीक्षाओं, साक्षात्कारों और एन.एस.डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन (IIMS) जैसे संस्थानों में प्रवेश परीक्षा हेतु अत्यंत उपयोगी है।

- इसके माध्यम से छात्र क्षेत्रीय व राष्ट्रीय हेतु इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कार्य, संपादन प्रक्रिया, समाचार लेखन हेतु रिपोर्टिंग का कार्य आरम्भ कर सकते हैं।
- फिलांस विज्ञापन का कार्य आरम्भ किया जा सकता है।
- रेडियो और टेलीविजन में तकनीकी ज्ञान के आधार पर प्रसारण तकनीकी के रूप में रोजगार की संभावनाएं हैं।

### प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

#### इकाई- एक

टेलीविजन व रेडियो का संक्षिप्त इतिहास- रेडियो और टेलीविजन का संक्षिप्त इतिहास , भारत में दृश्य और श्रव्य माध्यम, आजादी के पश्चात् टेलीविजन और रेडियो का बदलता स्वरूप, पटकथा लेखन, विज्ञापन

#### इकाई- दो

रेडियो और टेलीविजन प्रसारण – स्टूडियो और नियंत्रण कक्ष, ट्रांस मीटर, रिसीवर, उपकरण, माइक्रोफोन, प्रसारण कक्ष, स्टूडियो , सेटेलाइट उपकरण, प्रसारण विधि

#### इकाई- तीन

रेडियो कार्यक्रम - रेडियो और टेलीविजन साक्षात्कार , रेडियो ब्रिज, फ़ोन इन सेवा, रेडियो ओर टेलीविजन खेल प्रसारण, समाचार प्रस्तुति, धारावाहिक निर्माण आदि

#### इकाई- चार

रेडियो और टेलीविजन लेखन- समाचार लेखन, फीचर, रेडियो और टेलीविजन साक्षात्कार, विज्ञापन लेखन, विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया और विज्ञापन एजेंसी, विज्ञापन प्रसारण

### परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) : लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक।